● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 सीएम के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा में भारी हंगामा

04 एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने शॉपिंग मॉल का किया उद्घाटन

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

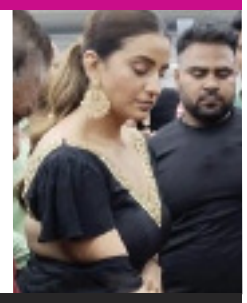

● पटना, शुक्रवार, 10 नवम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 273

सुप्रीम कोर्ट को मिले तीन नए जज, चीफ जस्टिस ने शपथ दिलाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को आज तीन नए जज मिले। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ चंद्रचूड़ ने तीनों को पद की शपथ दिलाई। ये जज दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, राजस्थान हाई के चीफ जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह और गौहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संदीप मेहता हैं। नई नियुक्तियों के साथ ही सुप्रीम में जजों के स्वीकृत सभी 34 पद भर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले हफ्ते इन तीनों जजों को सुप्रीम कोर्ट में जज के रूप में नियुक्त करने की अनुशंसा की थी।

देश में अस्थिरता-अराजकता फैलाना चाहती है कांग्रेस : नरेन्द्र मोदी

बीएनएम@भोपाल। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के नीमच में चुनावी जनसभा में कहा कि यह जनता है, जिन्होंने देशहित में बड़े फैसले लेने वाली भाजपा की सरकार बनाई है। यह बात कांग्रेस को पच नहीं रही है। कांग्रेस देश में अस्थिरता फैलाना चाहता है, अराजकता फैलाना चाहती है।

इसके लिए कांग्रेस ने न जाने किस-किस से समझौते किए हैं। जो लोग भारत के खिलाफ बोलते हैं, कांग्रेस उनके साथ खड़ी नजर आती है। इसलिए मध्य प्रदेश के लोगों को कांग्रेस से सतर्क रहना है। कांग्रेस देश के लिए सिर्फ

समस्या पैदा करना जानती है, उसके पास कोई समाधान नहीं होता।

मोदी सतना और छतरपुर के बाद नीमच जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीमच का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ये धरती सीआरपीएफ की जन्मस्थली के रूप में जानी जाती है। यहां का फुटबॉल प्रेम भी किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद एमपी में सुशासन की निरंतरता, विकास और समृद्धि को है। ये आशीर्वाद भाजपा के ट्रैक रिकॉर्ड और मोदी की गारंटी को है। मोदी की गारंटी यानी हर गारंटी पूरे होने की गारंटी। इससे बड़ी गारंटी मध्य प्रदेश की जनता ने दी है। मध्य प्रदेश की जनता ने प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने की गारंटी दी है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा फूट डालो और राज करो की नीति पर चली है। आजादी के समय कांग्रेस ने एक परिवार की भक्ति में राष्ट्र निर्माण के जज्बे को कुचल दिया। चाहे केंद्र हो या राज्य, कांग्रेस की सरकार ने हमेशा भ्रष्टाचार के नए-नए रिकॉर्ड बनाए हैं। एमपी में कांग्रेस बहुमत के लिए तरस रही है। कांग्रेस के पास विजन के नाम पर सिर्फ विरोध और विभाजन है। जहां विभाजन होता है, वहां विजन संभव नहीं होता है। इसके विपरीत भाजपा विकास के लिए कार्य कर रही है। जिन क्षेत्रों में कांग्रेस कभी गई ही नहीं उन क्षेत्रों में विकास कार्य कर रही है।

अयोध्या में पहली बार बैठक, 14 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पहली बार अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में अपने मंत्रिमंडल की बैठक की। इसमें 14 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी मिली। इनमें एक प्रस्ताव अयोध्या में लगने वाले विभिन्न मेलों के संबंध में है। मंत्रिमंडल ने अयोध्या में लगने वाले विभिन्न मेलों को राजकीय मेले का दर्जा देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही अयोध्या धाम तीर्थ विकास परिषद के गठन के साथ ही 25 एकड़ भूमि में मंदिर म्यूजियम बनाने, अयोध्या शोध संस्थान को अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थान का दर्जा देने का भी निर्णय लिया गया है।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी खुद मीडियाकर्मियों को दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि अयोध्या के समग्र विकास के लिए पहले से ही केंद्र और राज्य के सहयोग से 178 परियोजनाएं चल रही हैं। इसके अंतर्गत 30 हजार 500 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जा रही है। अयोध्या एक नए युग की ओर जा रही है। पूरी दुनिया आज अयोध्या की तरफ आकर्षित हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। उन्होंने बताया कि सबसे पहला प्रस्ताव उत्तर प्रदेश में पहली बार अंतर्देशीय राजमार्ग प्राधिकरण के गठन का था, जिसे मंजूरी दी गई है।

राष्ट्रपति मुर्मू उत्तराखंड की तीन दिवसीय यात्रा के बाद दिल्ली रवाना

बीएनएम@देहरादून

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपनी तीन दिवसीय उत्तराखंड यात्रा के पश्चात दिल्ली रवाना हो गईं हैं। उन्होंने अपनी उत्तराखंड की यात्रा के दौरान अनेक कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया।

राष्ट्रपति ने आज सुबह पुलिस लाइन, देहरादून में आयोजित राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन के बाद राष्ट्रपति सड़क मार्ग से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचीं।

इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू को जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, मेयर सुनील उनियाल गामा, मेयर

अनिता ममगाईं, मुख्य सचिव डॉ.एस.एस.संधू, डीजीपी अशोक कुमार, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, सचिव विनोद कुमार सुमन एवं डीएम सोनिका ने उन्हें दिल्ली के लिए विदा किया।

नड्डा ने वोकल फॉर लोकल पर दिया जोर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने वोकल फॉर लोकल पर जोर देते हुए देश के लोगों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आह्वान किया। गुरुवार को जे पी नड्डा ने 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने के लिए स्वयं स्थानीय उत्पाद खरीदे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इसके लिए ही उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' का ऐलान किया। नड्डा ने कहा कि समाज में स्थानीय उत्पादों की खरीदारी को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिवाली और छठ के लिए स्थानीय उत्पाद खरीदने का भी अनुरोध किया।

बिलासपुर स्थित बेकार लकड़ी से उत्पाद तैयार करने वाले रवि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर बेहद उपयोगी और टिकाऊ उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इसलिए उन्हें प्रेरित करने के लिए उनके उत्पाद को खरीदा जाना चाहिए, ताकि देश के कोने कोने के कारीगरों को बढ़ावा दिया जा सके।

आश्वासन 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान मैं मध्य प्रदेश को बहुत करीब से देखा

सरकार बनने पर होगी जातिगत जनगणना: राहुल

बीएनएम@भोपाल

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के नईसराय क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही पहले मध्य प्रदेश में और केंद्र में सरकार आने पर पूरे देश में जातिगत जनगणना कराएंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि कुछ महीने पहले मैंने 4000 किमी की 'भारत जोड़ो यात्रा' की। इस दौरान मैं मध्य प्रदेश से भी गुजरा और इस देश को बहुत करीब से देखा। इस दौरान मैंने

हजारों युवाओं से बातचीत की। कोई डॉक्टर बनना चाहता था, कोई इंजीनियर तो कोई वकील, लेकिन आखिर में सवाल वही था कि पढ़ाई के बाद भी अधिकतर बेरोजगार थे।

उन्होंने कहा कि ऐसे में मेरे दिमाग में सवाल था कि इस देश में ओबीसी कितने हैं, दलित कितने हैं, आदिवासी कितने हैं, सामान्य वर्ग के कितने हैं और इन लोगों को हिंदुस्तान की सरकार चलाने में कितनी हिस्सेदारी मिल रही है। जब आप मीडिया में देखेंगे तो आपको देश में सिर्फ नफरत नजर आएगी, लेकिन जब मैं 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकला तो मुझे नफरत नहीं, सिर्फ मोहब्बत मिली। इसलिए मैंने कहा कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं।

राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की सरकार को 90 अफसर चलाते हैं। हिंदुस्तान का जो धन है उसे ये 90 अफसर बांटते हैं। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि ओबीसी की सरकार है। भाइयों और बहनों, मुझे बता दो कि 90 अफसरों में से ओबीसी कितने हैं?

आरक्षण संशोधन विधेयक सर्वसम्मति से विधानसभा से पास

पटना। बिहार विधानसभा में शीतकालीन सत्र के चौथे दिन आरक्षण संशोधन विधेयक-2023 पेश किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

राज्य सरकार द्वारा जातीय गणना कराए जाने के बाद बिहार में आरक्षण का दायरा 75 प्रतिशत करने का सरकार ने प्रस्ताव दिया है, जिसका बीजेपी समेत अन्य विपक्षी दलों ने समर्थन किया है। नीतीश सरकार ने जातीय गणना की रिपोर्ट के आधार पर राज्य में आरक्षण का दायरा 15 प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। कैबिनेट से इसे मंजूरी भी मिल चुकी है।

राज्य में ओबीसी, ईबीसी, एससी और एसटी वर्ग को मिलाकर अभी जो 50 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है, उसे बढ़ाकर 65 फीसदी किया जाना है। इसके अलावा ईडब्ल्यूएस केटेगरी को 10 प्रतिशत आरक्षण अलग से मिलता रहेगा। इस तरह राज्य में कुल 75 प्रतिशत आरक्षण किए जाने का प्रस्ताव है।

इसमें पिछड़ा वर्ग को 18 फीसदी, अति पिछड़ा वर्ग को 25 फीसदी, एससी को 20 फीसदी और एसटी को दो फीसदी आरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। विधानसभा में पास होने के बाद इसे विधानपरिषद से भी पास कराया जाएगा। दोनों सदनों से बिल पारित होने के बाद सरकार आरक्षण का दायरा बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजेगी। आरक्षण में 9 संशोधन हैं।

भाजपा–राजद विधायक के बीच विधानसभा के बाहर जोरदार बहस

पटना। बिहार विधानसभा में शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को भाजपा विधायक कुंदन कुमार की राजद विधायक विजय मंडल से विधानसभा के बाहर जमकर बहस हो गई। इसी दौरान कुंदन सिंह ने यह सुझाव दे डाला कि आपलोग अब विधानसभा में कंडोम का प्रचार कराइए। राजद विधायक विजय मंडल और भाजपा विधायक कुंदन कुमार के बीच बहस की शुरुआत आरक्षण के मुद्दे को लेकर हुई। दोनों विधायक सदन से बाहर आए तो इसी मुद्दे पर एक दूसरे से बहस करते नजर आए। इस दौरान राजद विधायक ने आरोप लगाया कि मंडल कमीशन की सिफारिश लागू होने के बाद भाजपा ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसी दौरान कुंदन कुमार ने कहा कि राजद विधायक विजय मंडल को कुछ जानकारी नहीं है। सच्चाई यह है कि वीपी सरकार द्वारा मंडल कमिशन की सिफारिश को लागू करते समय भाजपा ने समर्थन दिया था। जब भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार किया गया तब भाजपा सरकार से अलग हुई लेकिन राजद वाले गलत बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने सीएम नीतीश के सेक्स ज्ञान प्रकरण पर कटाक्ष करते हुए राजद विधायक को कहा कि जाइये आपलोग अब विधानसभा में कंडोम का प्रचार कराइए।

मुख्यमंत्री का जीतन राम मांझी पर सदन में आपा खोना पूरे दलित समाज का अपमान: सुशील मोदी

बीएनएम@पटना

राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ने महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी के बाद महादलित समाज के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के लिए जिस तरह से आपा खोकर तुम-ताम की भाषा का प्रयोग किया, उससे साफ होता है कि वे विक्षिप्त हो गए हैं और संवैधानिक पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं। पलटूराम का भाषण पूरे दलित समाज का अपमान है।

मुख्यमंत्री को एक मित्र के नाते सलाह देते हुए सुशील मोदी ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि अब नीतीश कुमार को अपने उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप कर आराम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने उम्र में अपने से दस साल बड़े मांझी के लिए जिन अपमानजनक शब्दों का प्रयोग आंखें तरेरते हुए किया, वैसा यदि वे सदन के बाहर करते, तो उन पर दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज होता।

उन्होंने कहा कि यदि जीतन राम किसी दूसरे समुदाय के होते, तो नीतीश कुमार ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने की हिम्मत नहीं करते। जदयू के लोग नीतीश कुमार के सड़क छाप बयानों का बचाव करने के लिए बॉयलॉजी की पुस्तक से प्रजनन प्रक्रिया का पाठ पढ़ाने पर उतर आये हैं। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने का सपना और गलत संगत में पड़ना नीतीश कुमार के मानसिक संतुलन पर बहुत भारी पड़ रहा है।

पश्चिम चंपारण मे डेंगू पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग कर रहा है फॉगिंग

बेतिया। पश्चिम चंपारण के रामनगर, नरकटियागंज, चनपटिया, बगहा एवं अन्य डेंगू प्रभावित स्थानों पर इसके नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय समय पर फॉगिंग कराई जा रही है। ताकि डेंगू क मामलों में कमी आ सके। वहीं डेंगू के मरीज मिलने पर लोगों को जागरूक करने के साथ मरीज के घरों के आस- पास 500 मी. के दायरे में फॉगिंग कराई जा रही है। जिले में अब तक 155 से ज्यादा मामले आ चुके हैं।

इस सम्बन्ध में जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ हरेंद्र कुमार ने बताया कि डेंगू मच्छरों के शरीर पर चीते जैसी धारियां होती हैं।मादा एडीज़ मच्छर के काटने से शरीर में डेंगू फैलता है। ये मच्छर अधिकांशतः दिन में काटता है। यह स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द ,त्वचा पर लाल धब्बे या चकते का निशान, काला पखाना होना आदि डेंगू के लक्षण हैं इसमें मरीज के शरीर में प्लेटलेट काउंट कम होने लगता है। ऐसे लक्षण हो तो तत्काल सरकारी अस्पताल जाकर इसकी जाँच करवानी चाहिए।

जिले के सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने बताया कि डेंगू बरसात के मौसम के बाद के महीनों यानी अगस्त से अक्टूबर में सबसे ज्यादा फैलता है। इस मौसम में मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल परिस्थितियां होती हैं। वहीं ठंड बढ़ने के साथ ही इसके मामलों में कमी आने लगती है। फ़रि भी सभी को इससे सतर्क रहने की जरूरत है। इससे बचने के लिए सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके साथ-साथ मच्छर भगाने वाली क्रीम या दवा का प्रयोग दिन में भी करें। पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने चाहिए ।

भीबीडीएस प्रकाश कुमार ने बताया कि बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए 18 बेड तो बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में 06 बेड एवं नरकटियागंज अनुमंडलीय अस्पताल में 06 बेड तैयार किए गए हैं। सभी बेड मच्छरदानी युक्त हैं। डेंगू मरीजों की चिकित्सा विभाग द्वारा निगरानी की जा रही है। अनुमंडलीय अस्पताल एवं जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी और रेफरल अस्पताल में डेंगू किट की व्यवस्था की गई है।

सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। इसके साथ-साथ मच्छर भगाने वाली क्रीम या दवा का प्रयोग दिन में भी करें। पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। घर के सभी कमरों को साफ- सुथरा रखें। टूटे-फूटे बर्तनों, कूलर, एसी, फ्रीज में पानी जमा नहीं होने दें। पानी टंकी और घर के आसपास अन्य जगहों पर भी पानी नहीं जमने दें। घर के आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखें और कीटनाशक दवा का इस्तेमाल करें।

राजनीति समय की पुकार है प्रशांत किशोर

जनसुराज अभियान समिति व घोड़ासहन प्रखंड कमिटी की संयुक्त बैठक संपन्न

मोतिहारी। जनसुराज अभियान समिति व घोड़ासहन प्रखंड कमिटी की संयुक्त बैठक घोड़ासहन प्रखंड के प्रस्तावित जनसहायता कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई। उक्त बैठक जनसुराज संगठन विस्तार को लेकर आयोजित की गई थी।

बैठक को संबोधित करते हुए जनसुराज जिला अभियान समिति के सदस्य राजीव कुमार पाण्डेय ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज समय की पुकार है कि प्रशांत किशोर जी ने बिहार व बिहारियों के बदहाल स्थिति को खुशहाल बनाने का बीड़ा उठाया है। जनसुराज जनता के बीच मजबूती से जगह बना रहा है और एक बेहतर विकल्प के रूप में इसकी स्वीकार्यता हो रही है अब वह दिन दूर नहीं जब बिहार की भ्रष्टाचारी सत्ता बदलेगी और आनेवाले विधानसभा चुनाव में जनता का सुंदर राज स्थापित होगा।

वहीं बैठक के दौरान श्री पाण्डेय ने बताया कि शीघ्र हीं घोड़ासहन के सभी 14पंचायतों के संयोजक का चयन किया जाएगा तथा प्रत्येक पंचायत स्तर पर भी अभियान समिति की बैठक का आयोजन किया जाएगा तथा 20-20 सदस्यों का चयन भी किया जाएगा।यह कार्य 10जनवरी तक प्रत्येक पंचायत स्तर पर पूरा किया जाएगा। मौके पर जिला अभियान समिति के संयोजक राणा रणजीत व जिला महासचिव जयमंगल कुशवाहा ने जनसुराज के सोच के बारे में लोगों को विस्तार से बताया। वहीं बैठक को आकाश कुमार चौधरी उर्फ पेंटल,पूर्व मुखिया अवधेश साह,दीपू कुशवाहा, दिनेश कुशवाहा, संतोष गिरी,रामजी ठाकुर,सूरज कुमार, कन्हैया कुमार आदि लोगों ने संबोधित किया।

इसके साथ हीं अनुराग कुमार, आशीष कुमार,दीपक साह,सपना देवी, हिमाचली देवी,रुपांति देवी,कई मुखिया, सरपंच सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहें।

सीएम के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा में भारी हंगामा, सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित

पटना। बिहार विधानसभा में शीतकालीन सत्र का चौथे दिन गुरुवार को दिन कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया और भाजपा विधायक वेल में पहुंच गए। भारी हंगामे के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी है।

शीतकालीन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सदन में दिए गए अमर्यादित बयान को लेकर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सदन के भीतर और बाहर अपने बयान के लिए माफी मांगने के बावजूद विपक्षी दल मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

सदन में सरकार की तरफ से जातीय गणना पर चर्चा के बाद से विधानमंडल के दोनों सदनों की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ रही है।

विधानसभा में आज कार्यवाही शुरू होने के साथ ही भाजपा और अन्य विपक्षी दलों के विधायक, मुख्यमंत्री से उनके अमर्यादित बयान के लिए इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि मुख्यमंत्री ने जिस तरह से दोनों सदनों की गरिमा को आघात पहुंचाया है, सिर्फ माफी मांग लेना भर काफी नहीं है। मुख्यमंत्री के बयान के कारण पूरे विश्व में भारत की बेइज्जती हुई है।

स्पीकर के बार बार मना करने के बावजूद विपक्षी सदस्य मानने को तैयार नहीं थे। भाजपा के विधायक टेबल पटकने लगे और कुर्सी को हाथ में ले लिया। सदन के भीतर हाथापाई की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालात बिगड़ता देख स्पीकर ने पहले 12 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित की लेकिन बाद में उसे बढ़ा कर दो बजे तक कर दिया।

कवि जाँच घर
Mob.: 7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र में झोला छाप डॉक्टरों की भरमार

स्वास्थ्य विभाग इस गोरखधंधे में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समल्लित

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र में झोला छाप डॉक्टरों की भरमार है। चौक-चौराहे पर बड़े-बड़े बोर्ड लगा कर ये डॉक्टर भोले-भाले ग्रामीणों को ठगने के प्रयास में लगे हैं। भोली-भाली जनता इनके झांसे में आकर आर्थिक दोहन के साथ-साथ शारीरिक नुकसान भी पहुंचा रहे हैं।

आरोपों पर अगर भरोसा करें तो हरसिद्धि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी इस गोरखधंधे में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समल्लित है । जिले से अगर कोई जांच आ गई तो अधिकारी महज खाना पूर्ति करते है ।

स्थानीय लोगों की माने तो क्षेत्रों में अप्रशिक्षित झोला छाप डाक्टरों द्वारा इलाज कराने की बात कौन कहे बड़े बड़े आपरेशन तक किये जा रहे हैं। साथ ही मोटी रकम लेकर नर्सिग होम संचालक इलाज के नाम पर मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्हें इस बात का डर नहीं होता कि मरीज मरेगा या उसे इंफेक्शन संक्रमण भी हो सकता है। ऐसे नीम-हकीम के चक्कर में आये दिन कई लोगों की जान जा रही है।

वहीं, झोलाछाप डॉक्टर अपनी-अपनी क्लिनिक के आगे बड़े-बड़े अक्षरों मे एमबीबीएस, एमडी, बीएएमएस की डिग्री लिखा बोर्ड लगाने में भी परहेज नहीं करते हैं। साथ ही शहर के नामी गिरामी चिकत्सको के नाम भी अपने बोर्ड पर लिखवा लिए है। सरकारी अस्पतालों में सरकार ने स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने को ले निश्शुल्क दवाओं सहित कई जांचे भी मुफ्त में कराए जाने की व्यवस्था उपलब्ध कराई है। बुद्धिजीवियों द्वारा समय-समय पर जिला प्रशासन से झोला छाप चिकित्सकों के विरूद्ध कार्रवाई किये जाने की मांग की जाती रही है।

मोबाइल ओटी असिस्टेंट के भरोसे चलता इन घोस्ट चिकित्सकों की क्लिनिक:

जिले में कई ओटी असिस्टेंट है जो बड़े बड़े चिकित्सकों के यह गंभीर ऑपरेशन की ट्रेनिंग लिए है । ऐसे असिस्टेंट के सहारे चौक चौराहे पर क्लिनिक खोल कर बैठे ये तथाकथित चिकित्सक ऐसे गंभीर ऑपरेशन को भी अंजाम देते है जिसे कोई अनुभव शाली एम एस तक करने में हिचकिचाते है। असिस्टेंट ऑपरेशन तो कर देते है परंतु पोस्ट ऑपरेटिव मैनेजमेंट में ये लोग कई लोगो की जान ले लेते है।

जांच के नाम पर भी मरीजों से ऐंठा जाता है पैसा:

झोलाछाप डॉक्टर पहले उल्टा सीधा इलाज करते हैं, इसके बाद जब स्थिति काबू से बाहर हो जाती है तो किसी बड़े डॉक्टर को दिखाने के नाम पर अपनी पीछा छुड़ा लेते हैं। हालांकि, तब तक स्थिति यह हो जाती है कि मरीज को बचाया जाना संभव ही नहीं रहता है।

ये डॉक्टर बुखार की जांच के लिए कोई भी टेस्ट तक कराने की सलाह नहीं देते हैं। उल्टी, दस्त आदि सामान्य बीमारियों के अलावा मियादी बुखार, डेंगू, मलेरिया हैजा, पीलिया, मस्तिष्क ज्वर, चिकन पॉक्स व एलर्जी तक का इलाज करने से नहीं चूकते। बिना प्रशिक्षण के लोगों को इंजेक्शन लगाने के साथ ग्लूकोज व अन्य दवाओं को चढ़ा देते हैं। दवा की डोज की सही जानकारी न होने के बावजूद सामान्य बीमारी में लोगों को दवा की हैवी डोज दे देते हैं।

यहां है झोलाछाप चिकित्सकों की भरमार:

हरसिद्धि, पकड़िया, धवही गायघाट, घिउवाढार सेवराहा, ओलहा, मेहता टोला, भादा, मानिकपुर में अवैध नर्सिंग होम झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। ऐसे डॉक्टरों के पास किसी भी प्रकार की जांच की कोई सुविधा नहीं होती है।

समाचार भेजें
किसी भी प्रकार का समाचार, विचार एवं विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें– 9471060219
ई-मेल भेजें
bordernewsmirror@gmail.com

बैंक मैनेजर से 20 लाख रुपये रंगदारी मांगने वाला अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम@बिहारशरीफ

जिला मुख्यालय स्थित लहेरी मुहल्ले में बैंककर्मी से रंगदारी की मांग करने वाला शातिर अपराधी को नालंदा पुलिस ने गुरूवार को गिरफ्तार कर लिया है।लहेरी थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि 26 अक्टूबर को वादी अरूण कुमार ने लहेरी थाना को इस आशय का आवेदन दिया गया था कि मोबाईल नं0 9162970814 से अज्ञात अपराधकर्मी ने फोन कर रंगदारी के रूप में बीस लाख रुपया की मांग की है। रुपया नहीं देने पर परिवार सहित अंजाम भुगतने का धमकी दिया गया। अपराधकर्मी ने परिवादी का गाडी का नम्बर और पिस्टल का फोटो भी वाट्सप पर मैसेज कर धमकाने का प्रयास किया जिसके आलोक में लहेरी थाना कांड संख्या 658 / 23 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीमों को लगाया गया। तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर वरीय पदाधिकारी के दिशा निर्देश में एक विशेष पुलिस टीम द्वारा घटना में संलिप्त अपराधकर्मियों के गिरफतारी हेतु कार्ययोजना तैयार कर लगातार छापामारी की गयी। छापामारी के क्रम में कांड में संलिप्त मोबाईल नं0 9162970814 के प्रयोगकर्ता अविनाश कुमार उर्फ अभिषेक कुमार उर्फ छोटू पिता जीनू चौधरी सा० छोटी बदलपुरा खगौल जिला पटना को पाटलिपुत्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत गिरफतार किया गया।

गिरफतार अभियुक्त ने कईकांड में संलिप्तता रहने की बात बतलायी गयी है। गिरफतार अभियुक्त पूर्व में शराब के कांड में दो बार क्रमशः मनेर थाना एवं खगौल थाना से जेल जा चुके है, इनके द्वारा बतलाया गया है कि मनेर थाना में शराब सहित ट्रक पकड़ाने के कारण ये दस लाख रूपया कर्ज में आ गये थे और इसी कर्ज की भरपाई हेतु बीस लाख रूपया रंगदारी के रूप में मांग किये थे। अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

बैंक मैनेजर को अभियुक्त पूर्व से जानता था कि वो काफी सभांत परिवार से है एवं रंगदारी का रूपया आसानी से दे देंगे।

प्रशिक्षण तीन दिनों तक कुल 18 पाली में विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई

समेकित कृषि प्रणाली पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के पीपराकोठी स्थित महात्मा गाँधी समेकित कृषि अनुसन्धान संस्थान के सभागार में आत्मा मुजफ्फरपुर द्वारा किसानों की आय बढ़ाने हेतु समेकित कृषि प्रणाली पर संपोषित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर जिला के विभिन्न प्रखंडो से लगभग 30 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तीन दिनों तक कुल 18 पाली में समेकित कृषि प्रणाली के विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा किया गया।

उद्घाटन सत्र में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. सुशील कुमार पूर्वे ने प्रशिक्षुओं को संस्थान के स्थापना का महत्व एवं यहाँ पर चल रही अनुसंधान परियोजनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक एवं संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी. के. भारती ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण की रुपरेखा की जानकारी दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कॉलेज ऑफ़ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री के अधिष्ठात डॉ. कृष्ण कुमार सिंह ने समेकित कृषि की व्यख्या की और बदलते जलवायु पारिस्थितिकी में समेकित कृषि प्रणाली को समय की मांग बताया।

इस दौरान समेकित कृषि प्रणाली की डिज़ाइन एवं मॉडल की अवधारणा, आई.एफ.एस के तहत मछली घटकों का प्रबंधन, मौसम का महत्व, पशुधन आधारित समेकित कृषि मॉडल की जररूत, भूमि संसाधनों का प्रभावी उपयोग, जैविक खेती में मृदा प्रबंधन, चावल-मछली-बतख वाला समेकित कृषि, आधुनिक कृषि उपकरण, प्रक्षेत्र उत्पाद प्रसंस्करण इत्यादि पर विस्तार से चर्चा किया गया।

इस दौरान किसानो को संस्थान के अनुसंधान फार्म का भ्रमण कराकर समेकित कृषि प्रणाली से जुड़े परियोजनायों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का समापन सत्र में प्रतिभागी किसानो को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील कुमार पूर्वे, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. पी. के भारती, रवि कुमार, प्रियंका मीणा, इंजिनियर विकास पराडकर, आत्मा मुजफ्फरपुर से आये ए.टी.एम प्रकाश कुमार व किसान उपस्थित रहे।

एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने शॉपिंग मॉल का किया उद्घाटन

बीएनएम@बेतिया

फैमिली फैशन पर फोकस करने वाले भारत के सबसे बड़े और तेज़ी से बढ़ते किफायती फैशन रिटेलर्स में से एक, सिटीकार्ट ने प्रसिद्ध भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह को बिहार के बेतिया में अपने ब्रैंड के 100वें शॉपिंग मॉल का ब्रैंड फेस नियुक्त किया है। उन्होंने कई प्रसिद्ध फिल्मों में काम किया है, जैसे "तबादला", "शुभ घड़ी आयो", "दबंग दामाद", और कई अन्य फिल्में शामिल हैं।

सिटीकार्ट ने लगातार उत्तरी भारत में अपनी पहुंच और बिज़नेस का विस्तार किया है, और 17,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैले इस भव्य स्टोर का उद्घाटन करके, यह भारत के दिल तक किफायती और स्टाइलिश फैमिली फैशन पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण पेश कर रहे है। यह कंपनी 2016 से प्रगतिशील यात्रा पर है और यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण सफलता का प्रतीक है।

यह स्टोर फैशन और स्टाइल का हब होगा, जो घरेलू सामानों के साथ-साथ कपड़ों और एक्सेसरीज़ की एक विस्तृत रेंज पेश करेगा। यह लॉन्च बेहद खास है क्योंकि यह महत्वपूर्ण स्टोर, जो बेतिया में अपनी तरह का दूसरा और बिहार में 35वां स्टोर है।

सिटीकार्ट रिटेल में बिहार के क्लस्टर मैनेजर, विकास जोधानी ने कहा, "हम बिहार के बेतिया में अपने अब तक के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल को जनता के लिए खोलकर बहुत खुश हैं। यह हमारे लिए गर्व का पल है क्योंकि यह हमारे तेज़ विस्तार और विकास को उजागर करता है। यह स्टोर उत्तरी भारत के टियर-2, टियर-3, और टियर-4 शहरों के निवासियों के लिए फैशनेबल और किफायती कपड़े लाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम अपने नए स्टोर में सभी का स्वागत करने और बेतिया समुदाय के साथ फैशन की खुशी साझा करने के लिए उत्सुक हैं।

अक्षरा सिंह ने कहा, "सिटीकार्ट की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का हिस्सा बनना सम्मान की बात है क्योंकि उन्होंने बेतिया, बिहार में अपना अब तक का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल खोला है। मैं किफायती और स्टाइलिश फैमिली फैशन के प्रति सिटीकार्ट की प्रतिबद्धता से सहमती रखती हूं। मैं इस क्षेत्र में ब्रैंड की उल्लेखनीय वृद्धि और इससे मिलने वाले अवसरों को देखकर उत्साहित हूँ। जैसा कि हम त्योहारी सीज़न का जश्न मना रहे हैं, मैं सभी को सिटीकार्ट की फैशन की विस्तृत रेंज को आजमाने और बेतिया समुदाय के साथ फैशन की खुशी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करती हूं।

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान के तहाद 130 गर्भवती महिलाओं की जांच

रामगढ़वा। गुरुवार को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान के तहत रामगढ़वा पीएचसी में गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इसकी जानकारी देते हुए प्रभारी चिकत्सा प्रभारी डा एन डी सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रत्येक महीने 9 तारीख को आयोजित किया जाता है।इन्होंने बताया कि एक सौ तीस गर्भवती महिलाओं की जांच कर इनके बीच निशुल्क दवा का वितरण किया गया। मुख्य रूप से बीपी ,सुगर,हीमोग्लोबिन सहित कई प्रकार की जांच की गई। इस अभियान को लेकर पीएचसी में ग्रामीण क्षेत्र की भारी संख्या में महिलाएं आईं हुई थी।गर्भवती महिलाओं की सर्वाधिक समस्या हिमोग्लोबिन को लेकर होती है। इसलिए सभी महिलाओं को आयरन एवम फोलिक एसिड की गोली दी गई।मौके पर आयुष डाक्टर बीएम पाल ब्रजेश ओझा, सुशांत कुमार इत्यादि कर्मी उपस्थित थे।

नर्सरी प्रबंधन एवं सब्जी उत्पादन हेतु 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन

तुरकौलिया। प्रखण्ड अंतर्गत बिशुनपुरवा में नाबार्ड की MEDP योजना के अंतर्गत उपकृति सामाजिक संस्था के तत्वाधान में 30 कृषकों का 15 दिवसीय नर्सरी प्रबंधन एवं सब्जी उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जो 25 अक्टूबर 2023 से 09 नवम्बर 2023 तक तुरकौलिया प्रखंड के बिशनपुरवा में संपन्न किया गया था । जहां प्रशिक्षण के दौरान किसानों को अनेको प्रकार के पौधे एवम सब्जी की खेती कम लागत में करने से लेकर पैकेजिंग कर बाजार में अच्छे कीमत मिलने तक कि नई तकनीक को बताया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को एक्सपोज़र विजिट न्यू गोल्डन नर्सरी, मोतिहारी में कराया गया। आत्मा के सहायक तकनीकी पदाधिकारी राघवेंद्र द्विवेदी ने पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम से लेकर एक्सपोज़र विजिट तक मुख्य प्रशिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभायी। एक्सपोज़र विजिट के बाद DDM नाबार्ड आनंद अतिरेक की अध्यक्षता में सभी प्रशिकक्षु को प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। इस मौके पर उपकृति संस्था के अध्यक्ष राकेश कुमार के साथ परियोजना निदेशक नीरज कुमार एवम जयलाल कुमार मौजूद थे।

अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के खिलाफ भाजपा किसान मोर्चा के तत्वावधान में पुतलादहन

बेतिया। शहर के सोवाबाबू चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से बिहार विधानसभा एवं विधानमंडल में महिलाओं के प्रति अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के खिलाफ भाजपा किसान मोर्चा के तत्वावधान में गुरुवार को उनका पुतलादहन किया गया ।

जिला अध्यक्ष रूपक श्रीवास्तव इस कार्यक्रम में उपस्थित थे जिला अध्यक्ष अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का महिलाओं के प्रति असली चेहरा आज उजागर हो चुका है। बिहार ही नहीं पूरे देश का अपमान किया है।

मौके पर जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह, रवि सिंह, उमेश पाण्डेय, अर्जुन सोनी, विभय रंजन चौबे, जिला महामंत्री मुन्ना तिवारी, मनुबाबू कुशवाहा, मंडल महामंत्री नीरज तिवारी, आशीष गुप्ता, राधे श्याम पटेल, मिठू कुमार, राकेश पटेल, धर्मेंद्र सिंह, पप्पू सिंह, अभिषेक यादव, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश जायसवाल, कपिल देव शर्मा, संतोष गुप्ता, रमेश सिंह, राम तपस्या सिंह, नितेश यादव, श्वेता सिंह, पुनीता शर्मा इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अपराधियों ने फाइनेंस कर्मी से लूटे 2.40 लाख रुपये

बेतिया। मुफस्सिल थाना के पिपरा चौक पर गुरुवार की दोपहर हथियारबंद बाइक सवार अपराधियो ने फाइनेंस कर्मी सत्येंद्र कुमार से 2.40 लाख रुपये लूट लिए । घटना को अंजाम देकर अपराधी फरार हो गए । अपराधियों की संख्या 5 बताई जा रही है। अपराधी दो बाइक पर पहुंचे थे। घटना की सूचना पर पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि लूट की सूचना मिलते ही मुफस्सिल पुलिस की टीम ने जिले के सभी थानों को सतर्क कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है । घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से अपराधियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Friday 10 November 2023

नीतीश के हैरान करने वाले अशिष्ट बोल

स्त्री शिक्षा के फायदे गिनाते-गिनाते नीतीश कुमार भाषा की मर्यादा इस कदर भूल गए कि याद भी नहीं रहा कि वे लोकतंत्र के मंदिर में बोल रहे हैं? अक्सर माननीयों के बिगड़े बोल सामने आते रहते हैं, लेकिन जिस तरह से नीतीश ने हाथ मटका कर, अजीब भाव भंगिमा के साथ मंगलवार को विधानसभा में जो शब्द बोले वो ज्यों के त्यों लिखे भी नहीं जा सकते। नीतीश ने जिस तरह से सेक्स शिक्षा पर बयान दिया उससे बवाल तय था। सवाल यह भी है कि क्या एक परिपक्व राजनेता को जो देश के प्रधानमंत्री का ख्वाब भी पाले हुए है, इतना भान नहीं था कि वो क्या बोल रहे हैं? कहां बोल रहे हैं? उसके मायने क्या निकलेंगे? माना कि मेडिकल साइंस की भाषा में उन्होंने गलत नहीं कहा लेकिन जिस जगह कहा वह ऐसा स्थान नहीं था जहां उस भाषा में कहा जाना था, जिसका उपयोग उन्होंने किया। जिस समय नीतीश बोल रहे थे उस समय सदन में कई महिला नेत्री भी बैठी हुईं थीं। कुछ शर्म से सिर झुकाए हुए थीं तो एक ने नाराजगी जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। उनके समर्थन में शुरू-शुरू में आए लोगों ने अपने ही तर्क देने शुरू किए लेकिन जब बुधवार को नीतीश ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली तो उनके बयान से उठा तूल थमने के बजाए अलग ही रंग में दिखा। उनका कहना "मैं खुद पर शर्म महसूस करता हूं, मेरी बात किसी को गलत लगी तो इसके लिए माफी मांगता हूं और अपना बयान वापस लेता हूं। इसके लिए दुख प्रकट करता हूं।" लेकिन सवाल यही कि क्या बुरा बोलकर माफी मांग लेना ही पर्याप्त है? क्या भारतीय राजनीति में इसे परिपाटी माना जा सकता है? शायद नहीं, कभी नहीं। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश देश के पहले राजनेता हैं जिनके बोल बिगड़े हों। हाँ ये बात जरूर है कि उन्होंने जिस तरह से कहा वो देश में पहली बार सुना और देखा गया है। हो सकता है कि दुनिया में भी सदन में पहली बार किसी ने कहा हो। आखिर नीतीश को इस तरह से बोलने की क्या जरूरत थी? सवाल तो बहुत से हैं लेकिन जवाब शायद किसी के पास नहीं होगा।

मिलावटी मिठाइयों के बिना दिवाली मनायें

आर.के. सिन्हा

दीपावली और स्वादिष्ट मिठाइयों का चोली-दामन का साथ है। मिठाई के बिना दीपोत्सव का आनंद अधूरा है। जो इंसान मिठाई नहीं पसंद करता या फिर डाक्टरी सलाह पर इसका सेवन नहीं करता, वह भी दिवाली पर तो कम से कम एक-दो डिब्बे मिठाई के खरीद ही लेता है। इसकी वजह यह है कि लक्ष्मी पूजन के वक्त मिठाई का प्रसाद लक्ष्मी-गणेश को अर्पित करके वितरित किया जाना है। पर यह भी मानना होगा कि दिवाली पर जिस मात्रा में मिलावटी मिठाइयां बाजार में मिलने लगी है, उसके चलते मिठाई का आनंद लेने से पहले हर इंसान कई बार सोचने लगा है। सच में इस कारण घनघोर मिठाई प्रेमी भी अब मिठाई खाने से कतराने लगे हैं। वर्ना एक दौर था जब दिवाली से पहले हिंदू परिवारों में मिठाइयों पर विस्तृत चर्चा होती थी। पर मिलावटी मिठाइयों की बिक्री ने लोगों को मिठाई से दूर सा कर दिया है। युवा पीढ़ी तो अब वैसे भी मिठाई को लेकर कोई बहुत उत्साह नहीं दिखाती है। इस स्थिति के लिए उन हलवाइयों को ही दोषी मानना होगा जो चंद सिक्कों की खातिर मिठाइयां बनाते हुए भरपूर मिलावट करते हैं। मिलावटी मिठाइयां तो किसी की भी सेहत को खराब करने की गारंटी देती हैं। आप दीपावली से पहले इस तरह की खबरें जरूर ही पढ़ रहे होंगे कि मिठाई की दुकानों पर छापा मारा गया और वहां से मिलावटी मिठाई मिली। मिलावटी मिठाई बेचने वाले हलवाइयों पर क्या कार्रवाई हुई, यह तो बाद की बात है पर इन खबरों को पढ़कर मिठाई खाने वाले दूर भागने लगते हैं। मुझे याद है कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहरी वाजपेयी के घर में अतिथियों को दिल्ली की मशहूर दुकानों की मिठाइयां पेश की जाती थीं। वे खुद भी मिठाई प्रेमी थे। इंदिरा गांधी जी भी मेहमानों को स्वादिष्ट मिठाइयां खिलवाती थीं। अगर ये नेता अब होते तो इन्होंने भी अपने मित्रों और मिलने वालों का मुंह मीठा करवाना बंद कर दिया होता। मैं भी अब अपने मेहमानों को घर में बने खजूर गुड़ के लड्डू पेश करता हूँ। अपनी गौशाला की देसी गायों का शुद्ध बिलोया हुआ घी तो है ही। चने के बेसन के अलावा बाजरा, कंगनी, कुटकी और सांवा के आटे के लड्डू भी अद्भुत स्वादिष्ट होते हैं। बेशक पर्वों व खास अनुष्ठानों में मिठाई का बहुत महत्व होता है। दैनिक जीवन में मिठाई का सेवन भोजन के बाद किया जाता है। कुछ राज्यों में भोजन के पूर्व ही मिठाई पेश करने का रिवाज है। कुछ मिठाइयों को खाने का समय भी तय होता है जैसे जलेबी सुबह के समय खाई जाती है, तो रबड़ी रात में। कुछ मिठाइयां पर्वों से संबंधित होती हैं, जैसे गुझिया उत्तर भारत में होली पर बिकती है और पूर्वी भारत में तीज के पर्व पर हर घर में बनाई जाती है। उत्तर भारत में कलाकंद, काजू कतली, कालाजाम, गुलाब जामुन, घेवर, चमचम, जलेबी, बर्फ़ी, तिलकुट, दाल हलवा, नारियल बर्फ़ी, मिल्क केक, परवल की मिठाई, पेठा, पेड़ा, फिरनी वगैरह मिलती हैं। बताइये कि कौन इंसान होगा जिन्हें ये मिठाइयां पसंद न हो? इनका नाम सुनते ही मुंह से लार टपकने लगता है। पर दीपावली के मौके पर ये कितनी शुद्ध रूप से बनाई जाती हैं इसकी कोई गारंटी नहीं है। किसे नहीं पता कि दिवाली पर हमारे यहां मिलावट का बाजार खूब फलता-फूलता है। बाजारों में आपको खाने पीने की चीजों में सबसे ज्यादा मिलावट मिलेगी। दीपोत्सव पर मिलावटी मावा और मिलावटी मिठाइयों का बड़ा बाजार भी तैयार हो जाता है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Today's **Opinion**

देवताओं को अमृतपान कराकर अमर किया था धन्वंतरि ने

योगेश कुमार गोयल

दिवाली से दो दिन पूर्व 'धनतेरस' नामक त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 10 नवम्बर को मनाया जा रहा है। धनतेरस का इतिहास बहुत पुराना माना जाता है। यह त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है तथा इस दिन आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरि एवं धन व समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। धन्वंतरि को आयुर्वेद का देवता और देवताओं का चिकित्सक माना गया है, इसलिए धनतेरस चिकित्सकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय इसी दिन धन्वंतरि आयुर्वेद और अमृत लेकर प्रकट हुए थे। धनतेरस मनाए जाने के संबंध में जो प्रचलित कथा है, उसके अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर किए जा रहे समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले नवरत्नों में से एक धन्वंतरि ऋषि भी थे, जो जनकल्याण की भावना से अमृत कलश सहित अवतरित हुए थे। धन्वंतरि ऋषि ने समुद्र से निकलकर देवताओं को अमृतपान कराया और उन्हें अमर कर दिया। यही वजह है कि धन्वंतरि को 'आरोग्य का देवता' माना जाता है और आरोग्य तथा दीर्घायु प्राप्त करने के लिए ही लोग इस दिन उनकी पूजा करते हैं। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज के पूजन का भी विधान है और उनके लिए भी एक दीपक जलाया जाता है, जो 'यम दीपक' कहलाता है। धार्मिक ग्रथों में यमराज के पूजन के संबंध में एक कथा प्रचलित है। एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया कि क्या प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी किसी प्राणी पर दया भी आई? यह प्रश्न सुनकर सभी यमदूतों ने कहा, "महाराज, हम सब तो आपके सेवक हैं और आपकी आज्ञा का पालन करना ही हमारा धर्म है। अतः दया और मोह-माया से हमारा कुछ लेना-देना नहीं है।" यमराज ने उनसे जब निर्भय होकर सच-सच बताने को कहा, तब यमदूतों ने बताया कि उनके साथ एक बार वास्तव में ऐसी एक घटना घट चुकी है। यमराज ने विस्तार से उस घटना के बारे में बताने को कहा तो यमदूतों ने बताया कि एक दिन हंस नाम का एक राजा शिकार के लिए निकला और घने जंगलों में अपने साथियों से बिछुड़ कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने राजा हंस का राजकीय सत्कार किया और उसी दिन हेमा की पत्नी ने एक अति सुन्दर पुत्र को जन्म दिया लेकिन ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि विवाह के मात्र चार दिन बाद ही इस बालक की मृत्यु हो जाएगी। यह दुःखद रहस्य जानकर हेमा ने अपने नवजात पुत्र को यमुना के तट पर एक गुफा में भिजवा दिया और वहीं पर उसके लालन-पालन की शाही व्यवस्था कर दी गई और बालक पर किसी युवती की छाया भी नहीं पड़ने दी लेकिन विधि का विधान तो अडिग था। एक दिन राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर निकल आई और राजकुमार की उस पर नजर पड़ गई। उसे देखते ही राजकुमार उस पर मोहित हो गया। राजकुमारी की भी यही दशा थी। अतः दोनों ने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया लेकिन विधि के विधान के अनुसार 4 दिन बाद राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने ऐसी सुन्दर जोड़ी अपने जीवन में इससे पहले कभी नहीं देखी थी। वे दोनों कामदेव और रति के समान सुन्दर थे। इसीलिए राजकुमार के प्राण हरने के बाद नवविवाहिता राजकुमारी का करुण विलाप सुनकर उनका कलेजा कांप उठा। घटना का पूर्ण वृतांत सुनने के बाद यमराज ने यमदूतों से कहा कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन धन्वंतरि ऋषि का पूजन करने तथा यमराज के लिए दीप दान करने से इस प्रकार की अकाल मृत्यु से बचा जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि उसके बाद से ही इस दिन धन्वंतरि ऋषि और यमराज का पूजन किए जाने की प्रथा आरंभ हुई। धनतेरस के दिन घर के टूटे-फूटे बर्तनों के बदले तांबे, पीतल अथवा चांदी के नए बर्तन तथा आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। कुछ लोग नई झाड़ू खरीदकर उसका पूजन करना भी इस दिन शुभ मानते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

विविधा

पुस्तक समीक्षा :स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा

कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है।कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है,कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है। कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं मेंऔरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वही दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूतीं है तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीति के समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक'अच्छी औरतें'और'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी,खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ माद्दा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार,स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ़्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफ़ूज़, शातिर, खफ़ीफ़, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, ज़ुम्बिश, शोख जर्द गुज़स्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है।' मुट्ठी में बंद वर्फ की मानिंद' तथा 'मुट्ठी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित'ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की ईंट साबित होगीं।

पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)
रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)
प्रथम संस्करण -2021
प्रकाशक बोधि प्रकाशन,जयपुर मूल्य- 175/-

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं,ऐसे में उसका क्या भला होगा,उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने के बारे में,अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है,वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा,फिर आपको उसे खोने से बचाना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा ? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर करते हैं,अर्थात विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना,अर्थात हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों,यहाँ पर जानने का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा,किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा,तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हें आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकट्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें,अपनी सामर्थ्य को जाने,फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना,क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिये प्रयास करते हैं,आत्म को जानने का अर्थात आत्मविश्वासी होने का।

नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी

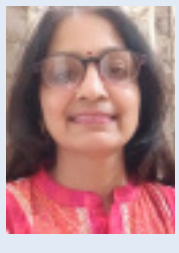

जब कभी..वह आदमी
बनना चाहता है
थोड़ा सा इंसान,
विरोध के स्वर
हो जातें हैं और भी प्रखर!!

जब कभी..वह आदमी
थोड़ा सा प्रेम चाहता है
समय की दीवारें
रचती हैं साजिशें!!

जब कभी..वह आदमी
चाहता है
थोड़ा सा एकांत,
एक शोर गूंजने लगता है
अंतस में!!

जब कभी..वह आदमी
लिखना चाहता है एक कविता
सिर्फ स्वयं के लिए,
अनपढ़ सी हो जाती हैं
सारी इच्छाएं!!

और..
जब कभी..वह आदमी
मसीहा कहलाता है
परिवर्तित हो जाता है चुपचाप
ईश्वर में!!

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ

मनु को कष्ट नहीं होना है
होगा प्रलय!
किंतु यह सच है,
सब कुछ नष्ट नहीं होना है।
प्रकृति हमारी प्राणदायिनी,
नहीं मरेगी,
आया हो कोई दुख अविहित,
स्वयं हरेगी,
होगा अनय!
किंतु यह सच है,
मन यह तष्ट नहीं होना है।
किसी भयानक डर,
अकाल से, नहीं डरेगी,
बुरे दिनों के,
हर हालत में,पेट भरेगी,
होगा डयन!
किंतु यह सच है,
पहिया भ्रष्ट नहीं होना है।
अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का,
एका होगा,
काम सभी झटपट निबटेंगे,
ठेका होगा,
होगा चयन!
किंतु यह सच है,
मनु को कष्ट नहीं होना है।

©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़

मुखौटा

सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने,सब्र को आजमाना छोड़ देती है!
साजिशें बुलंद होती हैं,जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!
रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!
हुकुमतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं!
मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं!
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाईयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरतीं हैं!
बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें,मूक तमाशबीन बनतीं हैं!
बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करतीं हैं!
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलतीं हैं!

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...

BNM
खेल मिरर

Friday 10-11-2023

BORDER NEWS MIRROR
Border's most vibrant Newspaper

ईश्वरीय प्रेरणा से तैयार फाइटर मानती हैं मैरी कॉम

बीएनएम@

नई दिल्ली। महान भारतीय महिला मुक्केबाज और छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट श्रृंखला के एक एपिसोड में अपने शानदार करियर और जीवन के बारे में रोचक जानकारियां साझा कीं। पॉडकास्ट में मैरी कॉम ने अपनी अनोखी जिंदगी की परतें खोलीं। बातचीत में उनकी यात्रा के आध्यात्मिक पहलू पर चर्चा हुई। मैरी कॉम ने खुलासा किया कि वह खुद को ईश्वरीय प्रेरणा से तैयार एक फाइटर मानती हैं। साथ ही उन्होंने जीवन की बाधाओं का सामना करते हुए निडर होकर, समाज की भलाई में योगदान देने की उत्सुकता व्यक्त की। पॉडकास्ट ने मैरी कॉम के जीवन के विभिन्न पहलुओं को छुआ, जिसमें उन पर हालिया बायोपिक भी शामिल है, जो उनकी उपलब्धियों का प्रमाण है। उन्होंने विनम्रतापूर्वक अपने बारे में फिल्म बनाने के सौभाग्य और एक महिला के रूप में दूसरों की प्रेरणा में योगदान देने के गौरव को स्वीकार किया। मैरी कॉम ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलीटों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भारतीय ओलंपिक टीम को शुभकामनाएं दीं। विशेषकर उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की तारीफ की और उम्मीद जताई कि वह एक बार फिर देश के लिए स्वर्ण जीतेंगे। पॉडकास्ट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा महिलाओं और पुरुषों के लिए मैरी कॉम की सलाह को समर्पित था। महिलाओं के लिए, उन्होंने शादी के बाद भी अपने सपनों को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया, और परिवारों से महिलाओं की करियर आकांक्षाओं का समर्थन करने का आग्रह किया। पुरुषों के लिए, मैरी कॉम ने महिलाओं के प्रति बिना शर्त समर्थन और सकारात्मकता पर जोर दिया। बातचीत में मैरी कॉम के वास्तविक जीवन के व्यक्तित्व पर भी चर्चा हुई, जिसमें उन्हें एक भावनात्मक लेकिन अभिव्यंजक व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया।

देहरादून : हरिकेन ने जीता अंतर सचिवालय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

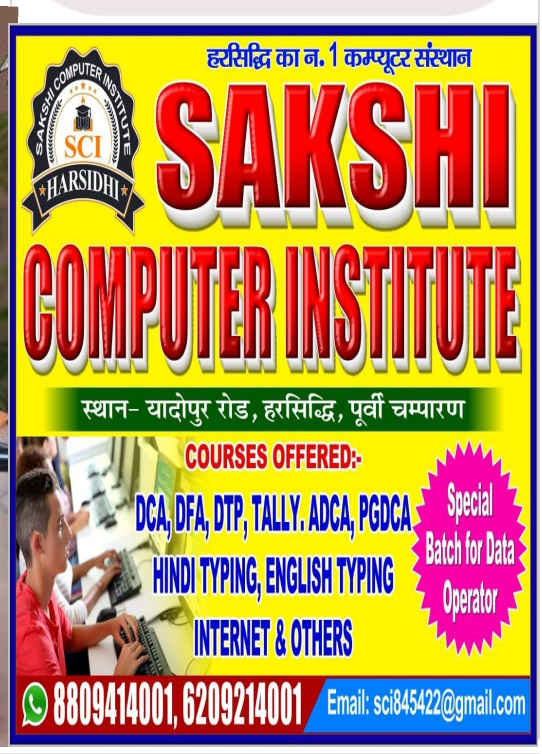

देहरादून। हरिकेन ने गुरुवार को अंतर सचिवालय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट (मोनाल कप) का खिताब जीत लिया है। खिताबी मुकाबले में हरिकेन ने सचिवालय ए को 69 रनों से हराया। गुरुवार को महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए खिताबी मुकाबले में हरिकेन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हरिकन ने कपिल गंगवार (85) के बेहतरीन अर्धशतक और दिवाकर पंत के 45 रनों की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 214 रन बनाए। कपिल और दिवाकर के अलावा अनुज चमोली ने नाबाद 16 रन बनाए। सचिवालय ए की तरफ से टिकराज ने 3 और हरीश सैनी ने 2 विकेट लिए। 214 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी ए की टीम कुल 20 ओवरों में 09 विकेट के नुकसान पर 149 रन ही बना पाए। आशुतोष विमल ने 78, अनिल नेगी ने 26 रन बनाए। मुकेश रावत ने 4, ओमीश ने 2, अनुज और विनोद ने 1-1 विकेट लिए। सचिवालय हरीकेन ने फाइनल मैच 69 रन से जीत लिया। फाइटर ऑफ द मैच आशुतोष विमल को और मैन ऑफ द मैच कपिल गंगवार को दिया गया।

जिम्बाब्वे श्रृंखला के लिए ह्यूम, रॉक आयरलैंड की टी20 टीम में शामिल

बीएनएम@डबलिन

डबलिन। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ग्राहम ह्यूम और विकेटकीपर-बल्लेबाज नील रॉक को जिम्बाब्वे के खिलाफ 7 दिसंबर से हरारे में शुरु होने वाली टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड की 15 सदस्यीय टीम में नामित किया गया है। फिओन हैंड और बेन व्हाइट, जो अगस्त में भारत के खिलाफ आयरलैंड की आखिरी टी20 सीरीज का हिस्सा थे, को टीम से बाहर कर दिया गया है। तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के बाद होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए, स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर गैरेथ डेलानी, जो सितंबर में इंग्लैंड का सामना करने वाली टीम में थे, को बाहर कर दिया गया है। सफेद गेंद के कप्तान के रूप में स्थायी नियुक्ति के बाद पॉल स्टर्लिंग के नेतृत्व में यह आयरलैंड का पहला दौरा भी होगा। 1 दिसंबर को जिम्बाब्वे जाने से पहले आयरलैंड की टीम 19 से 23 नवंबर तक स्पेन में एक प्रशिक्षण शिविर में पांच दिन बिताएगी। सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे, श्रृंखला 17 दिसंबर को तीसरे और अंतिम वनडे के साथ समाप्त होगी। आयरलैंड के पुरुष राष्ट्रीय चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, "सितंबर में इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला के बाद पुरुष टीम के लिए यह पहली प्रतियोगिता है। यह दौरा एक नए नेतृत्व सेट-अप के तहत एक नए चक्र की शुरुआत का प्रतीक है, और हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि यह खेल समूह अगले 50 ओवर के विश्व कप के लिए कैसे विकसित होता है।" आयरलैंड की टीम इस प्रकार है- टी-20 टीम: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, जोश लिटिल, ग्राहम ह्यूम, बैरी मैक्कार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, क्रेग यंग। एकदिवसीय टीम: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, जॉर्ज डॉकरेल, जोश लिटिल, ग्राहम ह्यूम, एंडी मैकब्राइन, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, क्रेग यंग।

डब्ल्यूपीएल 2024 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 9 दिसंबर को मुंबई में

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2024 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 9 दिसंबर को मुंबई में होने वाली है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, पिछली नीलामी के साथ-साथ खिलाड़ियों की रिलीज से बची शेष राशि के अलावा पांचों टीमों में से प्रत्येक को 1.5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त पर्स उपलब्ध होगा। कुल मिलाकर, दिन भर चलने वाली नीलामी में भरने के लिए 30 स्लॉट - जिनमें नौ विदेशी भी शामिल हैं - उपलब्ध हैं। हाल ही में, पांच फ्रेंचाइजियों द्वारा कुल मिलाकर 60 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया था, जिनमें 21 विदेशी खिलाड़ी शामिल थे, जबकि 29 को रिलीज कर दिया गया था। पिछली नीलामी से बची शेष राशि के साथ रिलीज से प्राप्त राशि 1.5 करोड़ रुपये के नए पर्स में जोड़ दी जाएगी। डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सीज़न में, टीमों के पास टीम बनाने के लिए 12 करोड़ रुपये थे, यह राशि पांच में से दो टीमों गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और यूपी वारियर्स द्वारा समाप्त कर दी गई थी। शेष तीन टीमों में से, गुजरात जायंट्स के पास 5 लाख रुपये, दिल्ली कैपिटल्स के पास 35 लाख रुपये और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास 10 लाख रुपये बचे थे।

राष्ट्रीय खेल: सर्विसेज़ ने 10 स्वर्ण के साथ महाराष्ट्र पर दबाव बनाए रखा; गोवा, केरल ने पदक तालिका में लगायी छलांग

बीएनएम@नई दिल्ली

नई दिल्ली। गत चैंपियन सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने 37वें राष्ट्रीय खेलों के अंतिम दिन से एक दिन पहले बुधवार को कुल 10 स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए थोड़ी देर ज़रुर कर दी परंतु अपने प्रतिद्वंदी महाराष्ट्र पे थोड़ा सा दबाव बनाने के प्रयत्न भी किये। मेजबान गोवा और केरल भी इसमें आज शामिल थे जिन्होंने क्रमशः 13 और 8 स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में कई स्थानों की छलांग लगाई। सर्विसेज़ ने बॉक्सिंग रिंग में दमदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने पांच स्वर्ण, एक रजत के अलावा नौकायन में दो स्वर्ण पदक, पुरुष फुटबॉल, हैंडबॉल और कबड्डी में एक-एक पदक जीतकर अपने स्वर्ण पदकों की संख्या 65 तक पहुंचा दी। महाराष्ट्र 75 स्वर्ण के साथ शीर्ष पर बना हुआ है और वह अब 2007 के बाद से शीर्ष पर विराजमान चले आ रहे सर्विसेज के दबदबे को समाप्त करने की ओर अग्रसर है। हरियाणा 56 स्वर्ण के साथ तीसरे स्थान पर है। जबकि शीर्ष-3 में कोई हलचल नहीं हुई, मेजबान गोवा और केरल क्रमशः नौवें और पांचवें स्थान पर पहुंच गए। मेजबान गोवा ने अंत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बचाये हुए रखे था और जिसके एथलीटों ने 13 रजत और 9 कांस्य पदक के साथ 13 स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष 10 में जगह बनाई। मेजबान दल ने फतोर्दा में स्के मार्शल आर्ट्स में आठ स्वर्ण पदक, पेद्देम में मुक्केबाजी में तीन और नौकायन में दो स्वर्ण पदक जीते, जिससे उनके स्वर्ण पदकों की संख्या 25 हो गई। केरल ने कलारीपयट्टु के पारंपरिक मार्शल आर्ट रूप में अपेक्षित रूप से अपना दबदबा क़ायम रखा, उन्होंने 22 में से कुल 19 स्वर्ण पदक जीते और अपने स्वर्ण पदकों की संख्या 36 तक पहुंचा दी। पेड्डेम बहुउद्देशीय इंडोर हॉल में एसएससीबी मुक्केबाजों ने पुरुष वर्ग में सात भार वर्गों में से पांच स्वर्ण और एक रजत जीतकर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि हरियाणा ने छह भार वर्गों में से तीन स्वर्ण पदक जीते, जिसमें विश्व चैंपियन स्वीटी बूरा का स्वर्ण भी शामिल था, जिन्होंने 70-75 मिडिलवेट श्रेणी में प्राप्त किया। दो बार की विश्व युवा चैंपियन, साक्षी चौधरी ने गोवा का प्रतिनिधित्व करते हुए लाइट फ्लाई वेटवर्ग में प्रभावी ढंग से जीत हासिल की।

BNM Fantasy

Friday
10 November 2023

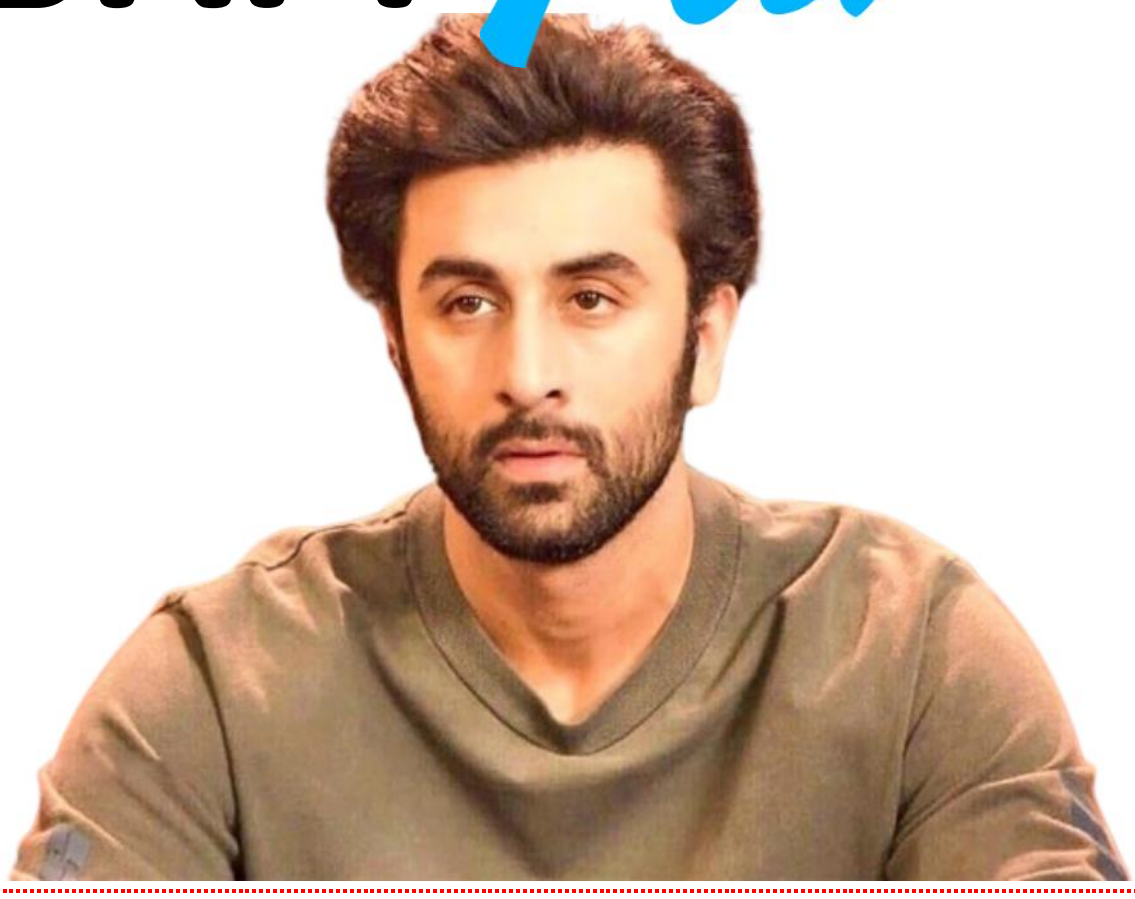

फिर पैपराजी पर भड़के रणबीर कपूर

अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों फिल्म एनिमल की तैयारी कर रहे हैं। 'तू झूठी मैं मक्कार' की सफलता के बाद उन्हें एनिमल से उम्मीदें हैं। साथ ही फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। टीजर के बाद फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। इस बीच एनिमल मूवी इवेंट में रणबीर कपूर पैपराजी पर भड़क गए। वीडियो इस समय वायरल हो रहा है। फिल्म एनिमल के प्रमोशनल इवेंट के बाद पैपराजी रणबीर कपूर से पोज देने के लिए कह रहे थे। उन्होंने दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं। तभी रणबीर अचानक भड़क गए और बोले, "मैं क्या करूं भाई, मैं क्या करूं?'' नेटिज़न्स को रणबीर का ये व्यवहार बिल्कुल पसंद नहीं आया।

आ

आदित्य रॉय कपूर के साथ रिश्ते पर अनन्या पांडे ने तोड़ी चुप्पी

अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन दोनों ने अब तक सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है। इसी तरह हाल ही में अनन्या और सारा अली खान 'कॉफी विद करण' में नजर आईं। इस बार करण ने अनन्या से उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में पूछा। इस पर अनन्या ने रिश्ते पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन एक बयान दिया जिससे संकेत मिला कि वह आदित्य के साथ हैं। इसके लिए उन्होंने आदित्य की फिल्म का नाम लिया। करण ने अनन्या से पूछा, "क्या तुम कभी प्यार में गुमराह हुई हो?" यहां करण ने जिस 'गुमराह' शब्द का जिक्र किया है, वह आदित्य रॉय कपूर से जुड़ा है, क्योंकि ये उनकी फिल्म का नाम है। करण को जवाब देते हुए अनन्या ने कहा, "आशिकी ऐसी ही है।" फिल्म 'आशिकी-2' में आदित्य रॉय कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। 10 साल पहले आई इस फिल्म ने आदित्य को बेहद लोकप्रिय बना दिया था। उन्होंने आगे कहा, "कुछ चीजें निजी और खास होती हैं और उन्हें उसी तरह रखा जाना चाहिए, लेकिन मैं वास्तव में अपने पेशेवर जीवन के बारे में बात करना चाहती हूं, क्योंकि कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता है। जवाब पाने के लिए जब करण ने फिर से अनन्या से आदित्य के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, "हम सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।" इसी एपिसोड में सारा ने अपनी 'द नाइट मैनेजर' सीरीज का जिक्र करते हुए अनन्या और आदित्य के रिश्ते को लेकर भी आगाह किया था।

सारा और अनन्या ने एक ही अभिनेता को किया डेट

करण जौहर का खुलासा

करण जौहर के शो 'कॉफ़ी विद करण' के आठवें सीज़न को इस समय दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। इस सीजन के पहले एपिसोड में बॉलीवुड की पॉपुलर जोड़ी रणवीर सिंह-दीपिका पदुकोण थे तो वहीं दूसरे एपिसोड में सनी और बॉबी देओल नजर आए। तीसरे पार्ट में कौन आएगा? इसे लेकर दर्शकों के मन में काफी उत्सुकता थी। 'कॉफी विद करण' सीजन 8 के तीसरे एपिसोड में स्टारकिड्स सारा अली खान और अनन्या पांडे ने हिस्सा लिया। फिलहाल सारा और अनन्या एक ही जिम में साथ वर्कआउट कर रही हैं, सारा ने शो में कहा कि वे दोनों बहुत अच्छी दोस्त बन गई हैं। सारा अली खान और अनन्या पांडे दोनों एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। इस शो में अनन्या पांडे ने अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया कि वह आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। तो वहीं सारा अली खान ने शो में खुलासा किया कि मैंने कभी भी शुबमन गिल को डेट नहीं किया। इस पर करण ने दोनों को उनके पिछले बॉयफ्रेंड की याद दिलाई। करण जौहर ने शो में खुलासा किया कि सारा और अनन्या एक ही एक्टर को डेट कर चुकी हैं। करण जौहर ने कहा,"आप दोनों अब साथ काम करते हैं, बहुत अच्छे दोस्त हैं, ये सारी चीजें बहुत अच्छी हैं, लेकिन आप दोनों ने एक ही एक्टर को डेट किया है। आज आप कार्तिक आर्यन से फिर पहले की तरह बात करें। क्या यह यात्रा आपके लिए आसान थी या कठिन? इस पर सारा अली खान ने कहा, यह सफर निश्चित तौर पर आसान नहीं था।" इस बीच, करण जौहर द्वारा कार्तिक आर्यन के नाम का उल्लेख करने के बाद सारा अली खान से ब्रेकअप के बाद अनन्या के कार्तिक आर्यन को डेट करने की अफवाहें हैं।